आर्मेनिया - अज़रबैजान शांति समझौता

[स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस]

अमेरिका की मध्यस्थता से **आर्मेनिया और अज़रबैजान** के बीच एक शांति समझौते पर हस्ताक्षर किये गए हैं, जो [नागोर्नो-काराबाख] पर लंबे समय से चल रहे संघर्ष को हल करने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम है।

- **शांति समझौता:** दोनों देशों ने एक-दूसरे की क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करने का संकल्प लिया, जिससे लगभग चार दशकों से चल रहा संघर्ष समाप्त हो गया है। इस समझौते में पारस्परिक **क्षेत्रीय दावों को छोड़ने,** बल प्रयोग पर प्रतिबंध लगाने और अंतर्राष्ट्रीय कानून का पालन करने जैसे प्रावधान शामिल हैं।
- **अमेरिकी भूमिका और सामरिक महत्त्व:** अमेरिका को दक्षिण काकेशस में **'ट्रंप मार्ग फॉर इंटरनेशनल पीस एंड प्रॉस्पेरिटी'** नामक ट्रांज़िट कॉरिडोर के विकास के विशेषाधिकार प्राप्त हुए हैं।
- **नागोर्नो-काराबाख संघर्ष:** नागोर्नो-काराबाख **दक्षिण काकेशस** में स्थित एक पहाड़ी और स्थलवर्ती क्षेत्र है। काकेशस एक पर्वतीय क्षेत्र है जो **काला सागर और कैस्पियन सागर** के बीच फैला हुआ है, और इसमें **रूस, जॉर्जिया, अज़रबैजान और आर्मेनिया** शामिल हैं।
    - **वर्ष 1917 में रूसी साम्राज्य के पतन के बाद, आर्मेनिया और अज़रबैजान दोनों ने नागोर्नो-काराबाख पर दावा किया, जिससे लंबे समय तक तनाव बना रहा। वर्ष 1994 में हुए युद्धविराम के बाद नागोर्नो-काराबाख पर अर्मेनियाई समर्थित बलों का नियंत्रण हो गया, हालाँकि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर यह क्षेत्र अज़रबैजान का हिस्सा माना जाता रहा।**
    - वर्ष 2023 में एक सैन्य अभियान के बाद अज़रबैजान ने नागोर्नो-काराबाख पर पुनः नियंत्रण स्थापित कर लिया, जिससे हज़ारों जातीय अर्मेनियाई लोग वहां से विस्थापित हो गए।
- **भारत का रुख:** भारत इस शांति समझौते का समर्थन करता है, क्योंकि वह आर्मेनिया और अज़रबैजान को अंतर्राष्ट्रीय [उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारे (INSTC)] का हिस्सा मानता है। यह परियोजना भारत के व्यापार मार्गों के लिये महत्त्वपूर्ण है, जो भारत को रूस से जोड़ती है।
    - इसके अतिरिक्त, **भारत की आर्मेनिया के साथ मैत्री एवं सहयोग संधि (1995)** भी है।

और पढ़ें: [नागोर्नो-काराबाख संघर्ष का समाधान]

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/armenia-azerbaijan-peace-agreement